P: ISSN NO.: 2321-290X RNI : UPBIL/2013/55327 VOL-5* ISSUE-10* June- 2018
E: ISSN NO.: 2349-980X **Shrinkhla Ek Shodhparak Vaicharik Patrika**

साहित्य और संगीत में आध्यात्मिक समावेश का परम समन्वय

सारांश

हिन्दुस्तान एक प्रतिगतिशील देश है। यहां पर आधुनिक युग में डिजिटल इंडिया के माध्यम से पुस्तकालयों के सुधार पर बहुत अधिक जोर दिया जा रहा है। सन 2025 तक भारत में इस नई पहल ज्ञान का सही प्रयोग करके देश की अर्थव्यवस्था में बदलाव करना है। पुस्तकालयों का प्रयोग करके प्रत्येक क्षेत्र में दिन–रात आगे बढाने के साथ उसके अन्दर भी तेजी से बदलवा किया जा रहा है। इसका आरंभ जुलाई माह 2015 में किया गया था और अब तक बहुत अधिक प्रति की है। इसके तहत मोबाईल, ई–दिशा केन्द्र, ई–गवनेंस, सूचना प्रदान करना, ईलैक्टानिक्स प्रयोग, विनिर्माण, कम्पयूटर आदि का प्रयोग किया जाता है। ये सरकार की एक सार्थक पहल का ही परिणाम है, जिससे युवा वर्ग बहुत ही लगन से कार्य करके आगे ले जाने के लिये प्रयत्नशील है। पुस्तकालयों में पुस्तकों का रिकार्ड रखना आसान हो गया है। इससे देश के कार्यो में पारदर्शिता आयेगी, रोजगार के सुअवसर मिलेगें, गलतकार्यो में रोक लगेगी, कम मेहनत से अधिक व समय पर कार्य पूर्ण होगा, कागज की बचत होगी और कार्य करने की कला में सुधार आयेगा और सरलता से कार्य को किया जा सकेगां।

मुख्य शब्द : मोबाईल, पुसतकालय, क्षेत्र, विनिर्माण, अर्थव्यवस्था, आधुनिक युग, दिन–रात, मेहनत, सुअवसर, पारदर्शिता, सूचना प्रदान करना और बदलाव आदि।

एकता कुमारी
पुस्तकालयाध्यक्ष,
एच. डी. कालेंज आफ एजूकेशन,
साल्हावास, झज्जर,
हरियाणा

प्रस्तावना

हिन्दुस्तान काफी समय से प्रगति करने के लिये प्रयासरत है। सरकार के महत्वपूर्ण कार्यो में से एक डिजिटल के माध्यम से देश का विकास करना है। डिजिटल से देश के पुस्तकालयों को ही नहीं अन्य सरकारी कार्यालयों को एक साथ जोडकर देश की जनता को सुविधा प्रदान करना हे। इससे मानव श्रम को कम करके कार्य पूर्ण करने में समय की भी बचत होती है और आम जनता तक इलैक्ट्रोनिक्स के माध्यम से आसानी से पहुंच सकें। इसका आरम्भ 2015 में नई दिल्ली से किया गया था और अब तक कई नये आयाम पूर्ण हो चुके है। पुस्तकालयों में पुस्तकों का रख–रखाव आसान हो गया है। आसानी से कम कर्मचारीयों से भी कार्य पूर्ण किया जाने लगा है और युवा वर्ग को इस कार्य को करने में कोई भी दिक्कत नहीं आ रही है।

इलैक्ट्रोनिक्स और सूचना प्रसारण विभाग के द्वारा अनेक महत्वपूर्ण कार्य किये गये, उनमें से कुछ इस प्रकार से है।

I. डिजिटल और इलैक्ट्रोनिक्स के माध्यम से युवा वर्ग को जोडना।
II. डिजिटल से समय पर कार्य पूर्ण करनां
III. आम जनता तक ले जाकर इसके महत्व को बताना।
IV. आधुनिक युग में प्रत्येक कार्य को करने के लिये अलग से प्रयोग करना आदि।

सूचना प्रौधोगिकी और डिजिटल को प्रमुख बनाने वाले कुछ महत्वपूर्ण अंश निम्नलिखित है, जो कि इस प्रकार से है।

1- पूर्व फसल के लिये कार्यक्रम।
2- ई–शासन।
3- इलैक्ट्रोनिक्स का सही प्रयोग।
4- इण्टरनेट सेवा जन–जन तक पहुचाना।
5- ई–कान्ति।
6- ई–दिशा केन्द्र।

7- ब्राडबैन्ड सेवा प्रदान करना।

8- मोबाईल के माध्यम से सूचना प्रदान करनां

9- सभी को साथ लेकर चलना।

10- रोजगार के नये अवसर प्रदान करना।

11- पुस्तकालयों के माध्यम से विकास आदि।

आधुनिक युग में देश युवा वर्ग के साथ मिलकर बहुत तेजी से विकास के पथ पर चला जा रहा है। अनेक महत्वपूर्ण परियोजनाएं आरम्भ की जा चुकी है और अनेक पर कार्य किये जा रहे है, जिससे उसे भविष्य में जल्दी ही आरम्भ किया जा सकेगा।

1. स्वच्छता अभियान के तहत भारत को स्वच्छ करने का कार्य बहुत ही तेजी के साथ किया जा रहा हे। इससे देश के प्रमुख सरकारी संस्थान, गैर–सरकारी संस्थान और सामाजिक संस्थाएं इस कार्य को पूर्ण करने के लिये लगी हुई है।
2. आधार कार्ड बना कर देश में एक व्यक्ति एक पहचान करने के कार्य को तेजी से लागू किया जा रहा है। लगभग प्रत्येक कार्य के लिये इसे अनिर्वाय बनाया जा रहा है। ये सब डिजिटल के तहत किया जा रहा है। देश के बडे पुस्तकालयों में भी प्रवेश के लिये जिस प्रकार प्रमाण–पत्र दिखाकर प्रवेश दिया जाता है, उसकी जरूर को इस आधार कार्ड से भी प्रवेश दिया जा सकेगा।
3. डिजिटल के माध्यम से ई–कार्य को बहुत ही आसानी से पूर्ण किया जा रहा है, प्रत्येक सरकारी कार्य के लिये कम्पयूटर का प्रयोग किया जा रहा है। जिससे प्रत्येक जानकारी आनंलाइन आसानी से मिल रही है।
4. डिजिटल लांकर के माध्यम से महत्वपूर्ण दस्तावेज और फिजीकल दस्तावेज का सही जगह पर रखकर उचित समय में प्रयोग करना।
5. माई गर्वेमैन्अ डाट ईन के माध्यम से सामान्य वर्ग की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिये एक डिस्क टु डिसिमिनेट अप्रोच फोन पर सुविधा प्रदान करके आम जनता को इसके साथ जोडकर सभी सूचनाओं की जानकारी इस पर दी जायेगी।
6. पुस्तकालयों को एक साथ आसानी से आदान–प्रदान करने के लिये इसे डिजिटल से जोडा जा रहा है।
7. भारत नेट नामक एक पहल आरम्भ की है, जिससे देश की लगभग 300 ग्राम पंचायत जोडी गई है।
8. ब्राडंबैन्ड हाईवे के माध्यम से डिजिटल का प्रयोग किया जा रहा है। युवा वर्ग आगे बढने के लिये इसमें रूचि दिखा रहे है।
9. वाई–फाई के माध्यम से मोबाईल उपकरणों का प्रयोग किया जा रहा है, जिससे एक दुसरे को बहुत मदद मिलती है। आज के युग में प्रत्येक पुस्तकालयों में सुविधा प्रदान की जा रही है और इसका उचित प्रयोग भी किया जा रहा ळें

साहित्यावलोकन

01 जुलाई 2015 से डिजिटल इंडिया के आने से देश के विकास में तेजी आई है और लगभग सभी क्षेत्रों का विकास तेजी से हो रहा है। जिसमें से एक है, पुस्तकालय। भारत में पुस्तकालय ज्ञान का भंडार भी कहा जा सकता है (2016)।

जहां से प्रत्येक प्रकार की ज्ञान प्राप्त करने की जरूरत आसानी से एक ही स्थान पर मिलती है। जिससे आगे बढने में बहुत मदद मिलती है। यहां पर कार्य करना बहुत ही अच्छा लगता है और अन्य व्यक्तियों को देखकर आगे बढने में मदद मिलती है (भक्त फूलसिहं महिला विश्वविद्यालय खानुपर कलां, सोनीपत और एम. डी. यू. रोहतक केन्द्रीय पुस्तकालय अगस्त 2017)।

पुस्तकालयों में इसके आने से रिकार्ड आसानी से मिलने लगा है। कम स्थान में सभी सुविधा आरामदायक होने लगी है। इससे सुगम व सरलता से पुस्तकालय में प्रयोग किया जा सकता है (प्रतियोगिता दर्पण 2017 और प्रयोजन मूलक हिन्दी 2017)।

आधुनिक युग में इसका प्रयोग दिन–प्रतिदिन बढता जा रहा है। जो कि देश के विकास के लिये सही प्रतिक है (प्रधानमंत्री मन की बात 2016)।

अध्ययन के उद्‌देश्य

1. आज के आधुनिक युग में डिजिटल के महत्व को समझा जाये और उसका उचित प्रयोग किया जायें।
2. मोबाईल, इलैक्ट्रोनिक्स, संचार के माध्यम आदि सभी का सही प्रयोग करके देश के विकास को गति प्रदान करने में मदद मिलती है।
3. कार्य आसानी से पूर्ण किये जा रहे है।
4. रिकार्ड को रखने के लिये उचित कदम है।
5. पारदर्शिता लाने में सहायक है।
6. कागज की बचत, समय की बचत, मानव कार्य की सरलता, आसान करने के लिये आदि।
7. पुस्तकालयों के स्थान की बचत, रिकार्ड सुविधा अनुसार रखना आदि।
8. उत्पादक और सेवा के कार्यो को बढावा।
9. डिजिटल के माध्यम से आधुनिक युग में गति प्रदान करना।
10. पुस्तकालयों के माध्यम से आसानी से शिक्षा ग्रहण करना और कम स्थान में ही सभी सुविधा मिलना आदि।
11. युवा वर्ग को आगे ले जाने के लिये डिजिटल का बहुत ही महत्वपूर्ण योगदान हो रहा है।

अध्ययन का कार्य क्षेत्र और प्रविधि

डिजिटल के माध्यम से समाज के विकास में आधुनिक युग में अदभुत योगदान रहा है। इसमें उनके द्वारा किये गये समाज और सशक्तीकरण के कार्यो को बढावा मिला है। उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिये पुसतकालयों के माध्यम से शिक्षा लेने पर जोर दिया गया है। युवा वर्ग एक शान्त माहौल में बैठकर शिक्षा ग्रहण करना पंसद करता है। जिसके लिये सही स्थान पुस्तकालय ही है। इस प्रकार के स्थान पर बैठकर शिक्षा ग्रहण करने में आंनद आता है। युवा वर्ग अपने धर या होस्टल को पंसद ना करके पुस्तकालय में बैठकर शिक्षा लेना पंसद करते है, वहां पर उनको जरूरत अनुसार पुसतक मिलती है, जिससे उनको शिक्षा ग्रहण करने के आसानी होती है और एक शातं वातावरण जिसमें अन्य व्यक्तियों को देखकर आगे बढने की ललक पैदा होती है,

जो की एक युवा वर्ग के लिये होनी बहुत जरूरी होती है। इस युग में पुस्तकालयों को गांव से लेकर कस्बों में भी बनाया जाने लगा जिससे युवा वर्ग को आने जाने के दिक्कत ना हो और उनकी जरूरत पास में ही मिल सकें।

निष्कर्ष

समय की मांग के अनुसार डिजिटल के माध्यम को समझना होगा और आगे बढना होगा। हमारे देश में अनेक प्रकार की भाषाएं बोली जाती है, प्रदेश और स्थान अनुसार इसका प्रयोग उसकी भाषा में करना होगा। इसको इलैक्ट्रोनिक्स और संचार के माध्यम के साथ मिलाकर एक साथ चलना होगा। संचार के माध्यम का प्रयोग उसकी जरूरत अनुसार करना होगा। इससे अभी जो लोग जुडे नहीं है, उनको इसके बारे में अवगत करवाना होगा और इसके महत्व को बताकर उनको साथ में लेना होगा। युवा वर्ग इसके प्रति आगे बढ रहा है, लेकिन जो नहीं जुडा है, उसको भी साथ में लेकर चलना होगा। उनको साथ लेकर चलने से देश के विकास को और गति प्रदान होगी। समय, श्रम, धन आदि की बचत होगी कार्य समय पर पूर्ण होगें। हसके लिये साधन उपलब्ध करवानें लिये उचित कदम उठाने होगें। जिससे देश के युवा वर्ग अपनी प्रतिभा को दिखा सकें और देश के विकास में अपना योगदान दे सकें। डिजिटल के माध्यम से पुस्तकालयों के विकास को और अधिक गति प्रदान की जा सकती है। यदि युवा वर्ग को सही दिशा के लिये मार्ग प्रदान किया जाये और उनको पूर्ण सुविधा प्रदान करें तो वो देश के विकास में चार चांद लगा सकते है।

सदंर्भ और ग्रंथ सूची

1. *दैनिक समाचार पत्र जनवरी 2015 से दिसम्बर 2017 तक।*
2. *क्रानिकल वार्षिक 2016 एवं 2017।*
3. *प्रधानमंत्री के मन की बात के अंश डिजिटल भारतं*
4. *प्रतियोगिता दर्पण 2016 एंव 2017।*
5- *www.google.com*
6. *एम.डी.यू. रोहतक केन्द्रीय पुस्तकालय।*
7. *प्रयोजन मूलक व्यावहारिक हिन्दी, जगतराम और सन्स, नई दिल्ली 2007।*
8. *डा0 हरिमोहन रेडियो और दूर.दर्शन पत्रकारिता, नई दिल्ली 2016।*
9. *ज्नसंचार और मीडिया लेखन प्रकाशन संस्थान, दिल्ली 2016।*